|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 29. Juni | | | |
| **Hochfest Heiliger Petrus und Heiliger Paulus** | | | |
| Am Vorabend: Erste Lesung: Apg 3, 1-10; Zweite Lesung: Gal 1,11-20 Evangelium: Joh 21,1.15-19 | | | |
| Am Tag: Erste Lesung: Apg 12,1-11; Zweite Lesung: 2 Tim 4,6-8.17.18; Ev.: Mt 16,13-19 | | | |
|  |  | |  |
| Eröffnung: | GL 837 | | O Zierde der Apostelschar |
|  | GL 542, 1+4 | | Ihr Freunde Gottes |
|  | GL 481, 1+5-7 | | Sonne der Gerechtigkeit |
|  |  | |  |
| Kyrie: | GL 130 (Paulus-Messe) | | Herr, erbarme dich |
| Gloria: | GL 131 | | Ehre sei Gott in der Höhe |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | **Am Vorabend:** | |  |
|  | Psalm 19, 2-5b | |  |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 35, 1 | | Ein Tag sagt es jubelnd |
|  | oder Psalmenlied: | |  |
|  | GL 381, 1+2 | | Dein Lob, Herr, ruft der Himmel |
|  |  | |  |
|  | **Am Tag:** | |  |
|  | Psalm 34, 2-9 | |  |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 39, 1 | | Kostet und seht |
|  | GL 651, 3 | | Ich suchte den Herrn |
|  | Oder | |  |
|  | GL 786, 1-3 | | Zieh an die Macht |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 4 | | |
|  | **Vers am Vorabend:** | | |
|  | *Herr, du weißt alles;* | | |
|  | *Du weißt auch, dass ich dich liebe.* | | |
|  |  | | |
|  | **Vers am Tag:** | | |
|  | *So spricht der Herr:* | | |
|  | *Du bist Petrus – der Fels -;* | | |
|  | *und auf diesen Felsen werde ich meine Kirche bauen,* | | |
|  | *und die Mächte der Unterwelt werden sie nicht überwältigen.* | | |
|  |  | | |
| Credo: | GL 177 | Credo in unum Deum | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 275, 1-3 | Selig, wem Christus | |
|  | GL 546, 1-4 | Christus, du Licht | |
| Sanctus: | GL 132 | Heilig | |
| Agnus Dei: | GL 133 | Lamm Gottes | |
| Danksagung: | GL 478, 2+3 | Ein Haus voll Glorie schauet | |
| Schluss: | GL 380, 1+4+9 | Großer Gott | |